B-3
L-11
Indian Society

08/12/2023

सर ने 1991 के आर्थिक सुधार की पृष्ठभूमि का वर्णन किया।

पृष्ठभूमि

1. महालनोबिस मॉडल के कारण सार्वजनिक क्षेत्र घाटे में
2. कठोर लाईसेंसिंग प्रणाली व श्रम कानून के कारण निजी क्षेत्र का विकास बाधित
3. विदेशी निवेश के प्रति नकारात्मक रूख के कारण अवसंरचनात्मक विकास एवं आर्थिक विकास बाधित

उपरोक्त स्थितियों तथा कुछ तात्कालिक परिस्थितियों- [आंतरिक व विदेशी कर्ज का बढ़ जाना, USSR का विघटन एवं खाड़ी संकट] का भारतीय अर्थव्यवस्था एवं भुगतान संतुलन पर नकारात्मक प्रभाव; दो चुनाव का खर्च, दो सरकार का गिर जाना एवं पूर्व PM राजीव गांधी की हत्या के कारण आर्थिक बोझ एवं राजनीतिक अस्थिरता में वृद्धि; International credit Agency Rating Agency द्वारा भारत के credit Rating को नीचे गिराना

⇓

- NRIs द्वारा धन की निकासी
- नये कर्जदाताओं से कर्ज नहीं

फलतः जुलाई 1991 में भारत - IMF - विश्व बैंक के बीच वाशिंगटन सहमति पर हस्ताक्षर और आर्थिक सुधार की प्रक्रिया प्रारंभ।

1991 के आर्थिक सुधार के प्रमुख प्रभाव

→ राज्य के हस्तक्षेप में कमी
→ निजीकरण पर बल
→ औद्योगीकरण तीव्र एवं विकास तीव्र
→ श्रम का स्त्रीकरण
→ व्यावसायिक विविधता
→ रोजगार के अवसर बढ़े
→ उत्पाद की मात्रा और गुणवत्ता में वृद्धि
→ प्रतिस्पर्धा में वृद्धि
→ उपभोक्ता बाजार का विकास
→ संचार साधनों का उपयोग
→ उपभोक्तावादी संस्कृति का विकास
→ पश्चिमी संस्कृति का प्रसार
→ मास संस्कृति (Mass Culture) का विकास
→ मॉल संस्कृति (Mall Culture) का विकास
→ राज्य का कल्याणकारी स्वरूप कमजोर

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

→ वंचित समूहों का सीमांतीकरण

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR